1	2	3	4
4. जल मार्ग (पक्के)			
क. फ्लो क्षेत्र	कि०मी०.	11728	9516
	लाख हैक्टे०	4.44	3.65
लिफ्ट क्षेत्र	कि०मि०	1380	1380
		(समानुपाती आधार पर)	
5. कृष्य कमान क्षेत्र	लाख हेक्टे०	0.46	0.45
	लाखहेक्टे०	5.28	5.26
6. क्षमता	लाख हेक्टे०	5.78 (चरम)	5.76
चरण--II			
7. मुख्य नहर	कि०मी०	256	256
8. वितरण प्रणाली	कि०मी०	5112	1305
9. जलमार्ग (पक्के)	कि०मी०	31410	4280
	लाखहेक्टे०	10.12	1.38
10. कृष्य कमान क्षेत्र	लाख हेक्टे०	10.12	2.32
11. क्षमता	लाख हेक्टे०	8.10 (चरम)	1.86

(घ) राज्य सरकार ने नवम्बर, 1989 में आठवीं योजना के लिये एकीकृत विकास योजना तैयार की है जिसमें 3 लाख हैक्टेयर की अतिरिक्त क्षमता सृजित करने के लिये 1755 कि०मी० की वितरण प्रणाली, चरण–II क्षेत्र में 3 लाख हेक्टेयर को शामिल करने के लिये लगभग 9300 कि०मी० पक्के जलमार्गों और चरण–I में 0.3 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को शामिल करने हेतु 840 कि०मी० पक्के जलमार्गों के निर्माण की परिकल्पना है। राज्य सरकार से कहा गया है कि उप परियोजनाओं और धन की उपलब्धता के आधार पर क्रमबद्ध करके शेष कार्यों को वास्तव में प्राथमिकता प्रदान की जाय ताकि समयबद्ध कार्यक्रम के रूप में लाभ प्राप्त करने के लिये ऐसी उप परियोजनाओं को शुरू किया जाये तथा उन्हें पूरा किया जाए।

(ङ) आठवीं योजना स्तावों को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। राज्य सरकार ने बताया है कि निधियों की उपलब्धता के होने पर, 8.10 लाख हैक्टेयर की अभिकल्प क्षमता प्राप्त करने के लिये चरण–II में शेष कार्यों को पूरा करने का काम दसवीं योजना तक जायेगा। चरण–I में शेष बचे हुये लघुकार्य मार्च, 1994 तक पूरे किये जायेंगे लेकिन चरण–II में जल मार्गों पर शेष कार्य को पूरा करना बाद की योजनाओं में जारी रहेगा।

"रामतिल" का उत्पादन

*296. श्री सुरेश पचौरी : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या "रामतिल" मध्य प्रदेश में आदिवासी कृषकों की प्रमुख तिलहनी फसल है ;

(ख) यदि हां, तो इस फसल की खेती कितने क्षेत्र में की जा रही है और

उसका उत्पादन कितना होता है और उसमें आदिवासी क्षेत्र का हिस्सा कितना है ;

(ग) क्या सरकार ने "रामतिल" के लिये समर्थन मूल्य निर्धारित किया है, यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ;

(घ) क्या विदेशों में "रामतिल" की कोई मांग है; यदि हां, तो सरकार द्वारा इसका निर्यात करने के लिये क्या व्यवस्था की गई है ; और

(ङ) क्या "रामतिल" के निर्यात की संभावनाओं को देखते हुये इसकी फसल पर कोई अनुसंधान कार्य शुरू किया जा रहा है ?

कृषि मंत्री (श्री बलराम जाखड़) : (क) रामतिल एक महत्वपूर्ण फसल है, जो मध्य प्रदेश के जनजातीय किसानों द्वारा उगायी जाती है ।

(ख) 1990–91 के दौरान मध्य प्रदेश में रामतिल के अन्तर्गत अनुमानतया कुल 2.25 लाख हैक्टेयर क्षेत्र है । इसमें से लगभग 2.05 लाख हैक्टेयर क्षेत्र राज्य के आठ प्रमुख जनजातीय जिलों में है । 1990–91 के दौरान, मध्य प्रदेश में रामतिल का उत्पादन 48,000 मीटरी टन होने की आशा है ।

(ग) जी नहीं । रामतिल एक गौण तिलहन है । मूंगफली, सूरजमूखी, सोयाबीन, तोरिया-सरसों और कुसुम जैसे अन्य तिलहनों की तुलना में इसका उत्पादन नगण्य है । अत: रामतिल के लिये मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत समर्थन मूल्य निर्धारित नहीं किया गया है ।

(घ) जी, हां । इस मद का निर्यात नेफैड और ट्राईफेड के माध्यम से किया जाता है ।

(ङ) जी, हां । भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अपनी अखिल भारत समन्वित तिलहन अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत रामतिल के सुधार पर अनुसंधान कर रहा है ।

राष्ट्रीय जल नीति

*297. श्री अजीत जोगी :
कुमारी आलिया :

क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार राष्ट्रीय जल नीति में कतिपय संशोधन करने का विचार रखती है; और

(ख) यदि नहीं, तो वर्तमान नीति को कार्यान्वित करने के लिये क्या कार्रवाई की गई है तथा इस संबंध में अब तक क्या प्रगति हुई है ?

जल संसाधन मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) और (ख) राष्ट्रीय जल संसाधन परिषद, जिसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री हैं तथा राज्यों के मुख्य मंत्री, संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासक और संबंधित केन्द्रीय मंत्रालयों के मंत्री इसके सदस्य हैं, ने सितम्बर, 1987 में आयोजित अपनी बैठक में सर्वसम्मति से राष्ट्रीय जल नीति अपनायी थी । इस समय इस नीति में संशोधन करने का कोई प्रस्ताव नहीं है । इस नीति के क्रियान्वयन में अब तक की गयी प्रगति संलग्न विवरण में दर्शायी गई है । सरकार द्वारा सचिव (जल संसाधन) की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय जल बोर्ड का गठन सितम्बर, 1990 में किया गया है जो नीति के क्रियान्वयन पर की गयी प्रगति की समय-समय पर पुनरीक्षा करेगा । इस बोर्ड की अब तक दो बैठकें आयोजित की गयी हैं ।